

धामक पुं. (तत्.) माशा, एक तौल।

धामक-धूमक स्त्री. (तत्.) (देश.) धूमधाम, ठाट-बाट।

धामकेशी पुं. (तत्.) सूर्य।

धामच्छद पुं. (तत्.) अग्नि।

धामन पुं. (देश.) 1. एक किस्म का पेड़ 2. एक प्रकार का बाँस स्त्री. दे. धामिन।

धामनिका स्त्री. (तत्.) दे. धमनी।

धामनिधि पुं. (तत्.) सूर्य।

धामनी स्त्री. (तत्.) दे. धमनी।

धाम भाक/भाज पुं. (तत्.) अपना भाग ग्रहण करने के लिए यज्ञस्थल पर शामिल होने वाले देवता।

धामश्री स्त्री. (तत्.) एक रागिनी।

धामस-धूमस स्त्री. (देश.) धूमधाम।

धामार्गव पुं. (तत्.) लाल चिचड़ा 2. घीया-तोरी।

धामित्र पुं. (तत्.) धौंकनी, आग जलाने का साधन।

धामिन पुं. (तत्.) 1. एक प्रकार का साँप जिसके बारे में यह माना जाता है कि वह बहुत तेज दौड़ता है 2. असम की पहाड़ियों, राजपूताने तथा दक्षिण भारत में पाया जाने वाला वृक्ष जिसकी लकड़ी से फर्नीचर तैयार होता है।

धामिया पुं. (तत्.) 1. एक पंथ का नाम 2. उस पंथ का व्यक्ति।

धायँ स्त्री. (अनु.) दे. धाय।

धाय स्त्री. (तद्.) 1. बच्चे को दूध पिलाने तथा पालन-पोषण के लिए नियुक्त स्त्री प्रयो. अकबर का पालन-पोषण एक धाय ने किया था पर्बी. धात्री, उपमाता, दाई, आया, धायी, अंकपाली 2. पुं. धवई का पेड़ 3. वि. (तत्.) दे. धायक।

धायक वि. (तत्.) 1. स्वत्व में रखने वाला, धारण करने वाला 2. धावक।

धाय भाई पुं. (देश.) धाय से उत्पन्न होने के कारण भाई जैसा, एक ही धाय द्वारा पोषित दो भिन्न बालक।

धायी स्त्री. (तद्.) 1. दे. धाय 2. (तत्.) वेद का अग्निमंत्र, अग्नि प्रज्वलित करने का वेद मंत्र।

धायी स्त्री. (तद्.) दे. धाय।

धाय्य पुं. (तत्.) पुरोहित।

धार स्त्री. (तत्.) 1. जल आदि जैसे तरल पदार्थ के गिरने या बहने का तार उदा. पानी की धार, रक्त की धार मुहा. धार टूटना- प्रवाह खंडित होना; धार-बाँधना- किसी तरल पदार्थ का धार बन कर प्रवाहित होना (किसी चीज पर); धार मारना- अत्यधिक घृणा या उपेक्षा जाहिर करना प्रयो. हम ऐसी नौकरी पर धार मारते हैं 2. पानी का सोता, चश्मा 3. जल डमरूमध्य 4. पशु के स्तन को दबाने पर उससे धारा रूप में निकलने वाला दूध मुहा. धार चढ़ाना- देवी-देवता पर दूध, जल आदि चढ़ाना 5. हथियार का तेज किनारा जिससे कोई वस्तु काटी जाती है उदा. तलवार की धार मुहा. धार बाँधना-मंत्र बल से हथियार के काटने की शक्ति को कुंठित कर देना 6. छोर, किनारा, सिरा 7. फौज, सेना 8. आक्रमण, छापा, डाका, धाड़ मुहा. धार पड़ना- आक्रमण होना 9. बहुत बड़ा दल या समूह प्रयो. देखते ही देखते वहाँ धार की धार बंदर आ गए 10. तरफ/ओर/दिशा 11. जहाजों के तख्तों की जोड़ या संधि, कस्तूरा 12. पहाड़ों की श्रृंखला या माला 13. लकीर, रेखा पुं. (तत्.) 1. जोर की वर्षा 2. वर्षा का जमा किया हुआ जल जिसे वैद्यक के अनुसार बहुत गुणकारी माना जाता है 3. ऋण, उधार 4. प्रदेश, प्रांत 5. विष्णु 6. ओला 7. सीमा 8. एक प्रकार का पत्थर पुं. 1. कच्चे कुएँ के मुँह पर मिट्टी अंदर गिरने से रोकने के लिए लगाया जाने वाला पेड़ का तना या लकड़ी का टुकड़ा 2. चोबदार या द्वारपाल वि. (तत्.) 1. धारण करने वाला 2. सहारा देने वाला 3. बहने वाला 4. गहरा, गंभीर (प्रत्य.) 1. एक प्रत्यय जो कुछ संस्कृत शब्दों के अंत में लगकर धारण करने वाले का अर्थ देता है